Edit with WPS Office

विद्या -भवन ,बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग -चतुर्थ, विषय- हिंदी, दिनांक-16-07-20

एन .सी .ई .आर. टी पर आधारित

पाठ 8

सच्चाई की खेती

सुप्रभात बच्चों,

आज आपको सच्चाई की खेती कहानी अध्ययन करना है। जो इस प्रकार है:-

बच्चों ! तुम्हें यह तो पता ही है की बादशाह अकबर अपने एक मंत्री को बहुत पसंद करते थे । वह मंत्री था बीरबल। बीरबल ही बादशाह तथा अन्य दरबारियों की समस्या को सुलझाता था। एक बार अकबर की रानी को भी उसकी मदद की आवश्यकता हुई ।

एक दिन की बात है। अकबर की रानी अपने कक्ष में चहलकदमी कर रही थी । अचानक उसका हाथ एक फूलदान को लगा और वह गिरकर टूट गया। "ओह ! यह तो महाराज का प्रिय फूलदान था। मैं तो उन्हें यह बता भी नहीं सकती की फूलदान टूट गया है "- रानी ने डरते हुए मन में कहा।

कुछ समय बाद बादशाह अकबर ने कक्ष में प्रवेश किया । उनको कक्ष में कुछ कमी महसूस हुई ।ध्यान से देखने पर उन्होंने पाया कि उनका प्रिय फूलदान कक्ष में नहीं है। उन्होंने रानी से पूछा, "वह फूलदान कहां है ,जो मुझे चीनी यात्री ने उपहार में दिया था?"

"ओह! महाराज, उसे तो नौकर साफ करने के लिए ले गया है " रानी ने झूठ बोलकर स्वयं को बादशाह के क्रोध से बचा लिया।

अगले दिन प्रातः जब बादशाह सो कर उठे तो उन्हें प्रसन्न चित्त देखकर रानी ने अपना दोष स्वीकार करते हुए कहां - " मैंने आपसे झूठ बोला था। गलती से मेरा हाथ लग जाने से फूलदानी गिरकर टूट गया था।"

यह सुनते ही बादशाह क्रोधित हो गए और बोले - " रानी होते हुए भी तुमने मेरे से झूठ बोलने की हिम्मत कैसे की। मैं तुम्हें फूलदान तोड़ने के लिए तो क्षमा करता हूं, पर झूठ बोलने के लिए दंड स्वरूप आदेश देता हूं कि तुम तुरंत राजमहल छोड़कर चली जाओ।"

बच्चों आज के लिए इतना ही शेष अगली कक्षा में।

गृह कार्य

दिए गए कहानी को पढ़ें और अपनी उत्तर पुस्तिका में साफ एवं सुंदर अक्षरों में लिखें।